भाकृअनुप
ICAR

DOGR

भाकृअनुप–डीओजीआर समाचार
ICAR-DOGR News

खंड 20 | अंक 2 | जुलाई–दिसम्बर, 2016
Volume 20 | No. 2 | July-December, 2016

इस अंक में / In this issue

अनुसंधान उपलब्धियां
Research Highlights

- मल्टिप्लायर प्याज 'डीओजीआर–1549–एग' का पंजीकरण
  Multiplier onion 'DOGR-1549' registered
- *एलियम सेपा* एल. में नए नर वंध्य वंशक्रम
  New male sterile lines in *Allium cepa* L.
- अधिसूचना के लिए किस्मों की सिफारिश
  Varieties recommended for notification
- प्याज बीज उत्पादन में परागक की भूमिका
  Role of pollinator in onion seed production
- खरीफ प्याज की नई कीट–ग्रीन लूपर *क्राइसोडेक्सीस* स्पे.
  A new pest of *kharif* onion- Green looper *Chrysodeixis* sp.
- काली कर्तनकीट–*एग्रोटीस इप्सीलोन* का प्रकोप Incidence of black cutworm- *Agrotis ipsilon*
- भीमा किरण–एक सफल गाथा
  Bhima Kiran -A Success Story

सचिव, कृअनुशिवि एवं महानिदेशक, भाकृअनुप का डीओजीआर को दौरा / Secretary, DARE & DG, ICAR's visit to DOGR

संस्थान की गतिविधियां / Institutional Activities

प्रशिक्षणों का आयोजन / Trainings organized

प्रदर्शनियों में सहभाग
Participation in Exhibitions

खेलकूद प्रतियोगिता / Sports Meet

दूरदर्शन प्रसारण एवं आकाशवाणी वार्ताएं / TV Shows and Radio Talks

पुरस्कार / Awards

कार्मिक / Personnel

संकलन एवं संपादन
Compiled and Edited by
डॉ. शैलेन्द्र शं. गाडगे/Dr. Shailendra S. Gadge
डॉ. कल्याणी गोरेपति /Dr. Kalyani Gorrepati
श्री. कुलदीप /Mr. Kuldip
डॉ. विजय महाजन /Dr. Vijay Mahajan

प्रकाशक / Published by
डॉ. विजय महाजन /Dr. Vijay Mahajan

निदेशक की ओर से From Director's Desk

देश में प्याज एवं लहसुन में अनुसन्धान की दिशा में भाकृअनुप–डीओजीआर आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय फसल मानक, अधिसूचना एवं बागवानी फसलों के लिए किस्मों के विमोचन की उप–समिति द्वारा प्याज की दो किस्मों, भीमा सुपर (खरीफ के लिए) और भीमा शक्ति (पछेती खरीफ एवं रबी के लिए) की अधिसूचना के लिए सिफारिश की गई। दोनों किस्मों की देश में व्यापक अनुकूलनशीलता है। पछेती खरीफ के दौरान तोर आना यह प्याज की प्रमुख समस्यांओं में से एक समस्या है। कम तोर और बेहतर भण्डारण क्षमता के साथ भीमा शक्ति अच्छा प्रदर्शन कर रही है। निदेशालय में विभिन्न एलियम जननद्रव्यों का रखरखाव एवं मूल्यांकन किया गया और इनमे से कुछ पंजीकरण की प्रक्रिया में हैं। भाकृअनुप–एनबीपीजीआर में मल्टीप्लायर प्याज 'डीओजीआर–1549–एग' पंजीकरण संख्या आईएनजीआर 6006 के साथ पंजीकृत किया गया पहला मल्टीप्लायर प्याज है। प्याज संकर में अभी तक गति प्राप्त नहीं हुई

ICAR-DOGR is marching ahead in the direction of research in onion and garlic in the country. Two onion varieties viz. Bhima Super (for *kharif*) and Bhima Shakti (for late *kharif* and *rabi*) were recommended for notification by Central Sub-Committee on Crop Standards, Notifications and Release of Varieties for Horticultural Crops. Both the varieties have wider adaptability in the country. Bolting is one of the major problems in onion particularly during late *kharif.* Bhima Shakti is performing well with less bolters and also has better storability. Various *Allium* germplasms are being maintained and evaluated at this Directorate and some are in the process of registration. Multiplier onion DOGR-1549-Agg got registered at ICAR-NBPGR with registration number INGR6006, which is the first red multiplier onion. Hybrids in onion are yet to get momentum, identification of stable male sterile

है, कम दिन वाले प्याज में स्थिर नर वंध्य वंशक्रम की पहचान, बाधाओं में से एक है। इस दिशा में प्रयास किए गएँ और दो स्थिर नर वंध्य वंशक्रम, एक आरजीपी–4–सेल और दूसरा अर्का कल्याण से, पहचाने गएँ। भीमा किरण – हल्के लाल रंग की प्याज की किस्म की सफलतापूर्वक खेती की जा रही है और इसे महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के आदिवासी किसानों ने बड़े पैमाने पर अपनाया है। एक नई कीट, ग्रीन लूपर (*क्राईसोडेक्सिस* स्पे.) की नगण्य संख्या प्याज में पाई गई। एक अन्य कीट, काली कर्तनकीट (*एग्रोटिस एप्सिलोन*) भी किसानों के खेतों में देखी गई, हालाँकि इस कीट से नुकसान कुछ कुछ जगह पर ही हुआ। समय–समय पर फसल पर नजर रखकर इन नई उभरती कीटों की घटनाएं एवं इनसे हुए नुकसान को दर्ज कराने की आवश्यकता है, जो समय रहते उचित उपाय न करने से भविष्य में गंभीर हो सकता है। प्याज फसल में क्रॉस परागण अत्यधिक होने की वजह से इसका बीजोत्पादन करना एक बड़ी चुनौती है क्यों कि इसके लिए आवश्यक अलगाव दूरी बनाएं रखना जरुरी होता है। प्याज में बीजोत्पादन मुख्य रूप से मधु मक्खियों के माध्यम से किया जाता है। परागकों कि भूमिका के परिमाणन के लिए किए गए प्रारंभिक अध्ययन से पता चला कि मुक्त परागक वाली स्थिति में बीज उत्पादन प्रतिरोध परागक वाली स्थिति से 3.35 गुना ज्यादा प्राप्त होता है।

विस्तार गतिविधियां जैसे कि प्रशिक्षणों एवं प्रदर्शनों को मुख्य रूप से जनजातीय उप–योजना और मेरा गांव मेरा गौरव योजना के तहत आयोजित किया गया। कुल 12 प्रशिक्षणों और 56 प्रदर्शनों का आयोजन किया गया। हमारे निदेशालय ने प्याज एवं लहसुन प्रौद्योगिकीयों को प्रदर्शित करने के लिए 4 प्रदर्शनियों में भी भाग लिया। सतत कृषि में मृदा स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है, इसलिए विश्व मृदा दिवस पर किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। इसके अलावा, हिंदी सप्ताह, स्वच्छ भारत पखवाड़ा, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, राष्ट्रीय एकता दिवस, साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह, झंडा दिवस, संविधान दिवस और कृषि शिक्षा दिवस भी निदेशालय द्वारा मनाएं गएँ। माननीय महानिदेशक, भाकृअनुप एवं सचिव, कृअनुशिवि, डॉ. त्रिलोचन महापात्र ने हमारे निदेशालय का दौरा किया तथा वैज्ञानिकों एवं अन्य कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया और बहुमूल्य सुझाव दिए जिनका हम पालन कर रहें हैं। भाकृअनुप–डीओजीआर ने इंडियन एलियम्स सोसायटी, एनएचआरडीएफ और बीज शितल जैव विज्ञान के सहयोग से खाने योग्य *एलियम्स* पर द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 7–9 नवम्बर, 2016 के दौरान जालना में किया, जिसमें देश के विभिन्न भागों से एवं विदेश से आए 103 विशेषज्ञों ने भाग लिया। कुल 17 मुख्य व्याख्यान, 18 मौखिक प्रस्तुतियां और 55 पोस्टर पेपर्स से एलियम्स में वर्तमान अनुसन्धान एवं भविष्य की चुनौतियों के बारे में जागरूकता लाने वाले और उपयोगी निष्कर्ष प्राप्त हुएं। किसानों, राष्ट्र तथा समस्त मानव जाति के लाभ के लिए भाकृअनुप–डीओजीआर अपनी अनुसन्धान एवं विस्तार गतिविधियां जारी रखेगा। सुधार की गुंजाइश हमेशा रहती है तथा तद्नुसार सुधार के लिए सुझाव आमंत्रित हैं।

lines in short day onion is one of the bottlenecks. Efforts are made in this direction and male sterile plants from RGP-4-Sel and another from Arka Kalyan were identified. Bhima Kiran – a light red onion variety was successfully grown and adopted in large scale by the tribal farmers' field of Nandarbur district of Maharashtra. A new pest, green looper (*Chrysodeixis* sp.) was identified with negligible incidences in onion. Another pest, black cut worm (*Agrotis ipsilon*) was also recorded in the farmer's field, though the damage was in patches. There is need to monitor the crop time to time and record the incidence and damage caused by the newly emerging pests, which may become severe in future if proper measures are not undertaken. Being highly cross pollinated crop, seed production is the major challenge in onion as essential isolation distance is required to be maintained. Onion seed production is mainly done through honey bees. Preliminary study conducted to quantify the role of pollinators revealed that the seed yield under pollinators' accessible condition was 3.35 time higher than pollinator not accessible condition.

Extension activities such as conduction of training programmes and demonstrations were mainly carried out under Tribal Sub Plan project and *Mera Gaon Mera Gaurav* scheme. Total 12 training programmes and 56 demonstrations were conducted. Our Directorate also participated in 4 exhibitions to showcase onion and garlic technologies to the farmers. As soil health is important in sustainable agriculture, soil health cards were distributed to the farmers on World Soil Day. Besides, Hindi week, Clean India Fortnight, Vigilance Awareness Week, National Unity Day, Communal Harmony Week, Flag Day, Constitution Day and Agricultural Education Day were also celebrated by the Directorate. Honourable Director General, ICAR and Secretary, DARE, Dr. Trilochan Mohapatra visited our Directorate and encouraged scientists and other staff and gave valuable suggestions which are being implemented. ICAR-DOGR organized 2nd National symposium on Edible Alliums in collaboration with Indian Society of Alliums, NHRDF and Beej Sheetal Bio-Sciences during 7-9 November, 2016 at Jalna in which 103 delegates from different parts of country and abroad participated. Total 17 lead lectures, 18 oral presentations and 55 poster papers brought fruitful results and awareness about present research and future challenges in Alliums.

ICAR-DOGR will continue its research and extension activities for the benefit of farmers, nation and ultimately the mankind. There is ever scope for improvement and suggestions are most welcome to improve upon accordingly.

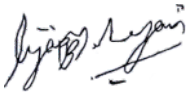

अनुसंधान उपलधियां

मल्टिप्लायर प्याज 'डीओजीआर–1549–एग' का भाकृअनुपएनबीपीजीआर में पंजीकरण

मल्टिप्लायर प्याज *(एलियम सेपा किस्मएग्रीगेटम)* की खेती मुख्यत: तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक में की जाती है। यह दक्षिण भारतीय रसोई की एक प्रमुख डिश सांबर बनाने में उपयोग किए जाने के लिए प्रसिध्द है। इस किस्म में उच्च निर्यात क्षमता भी है। इस में समुच्चित शल्क कंदिका के गुच्छे उपन्न होते हैं। इससे पहले मल्टिप्लायर प्याज की ऐसी कोई अगेती परिपक्वता वाली किस्म नहीं थी जिसे खरीफ तथा रबी, दोनों मौसमों में बोया जा सकें। इसलिए, इस दिशा में कार्य किया गया जिसके फलस्वरूप जल्द परिपक्वता वाला मल्टिप्लायर प्याज 'डीओजीआर–1549–एग' विकसित किया गया। भाकृअनुपएनबीपीजीआर, नई दिल्ली में राष्ट्रीय पहचान आईसी–0616539 एवं पंजीकरण संख्या आईएनजीआर–1606 के साथ दर्ज किया गया यह पहला मल्टिप्लायर लाल प्याज जीनप्ररूप है। यह किस्म, प्रचलित किस्म सीओ–5 की तुलना में लगभग एक सप्ताह पहले पककर तैयार हो जाती है और खरीफ तथा रबी, दोनों के लिए उपयुक्त है। इस जीनप्ररूप में प्रति कंद छः एकसमान गुलाबी शल्क कंदिकाएं होती है।

Research Highlights

Multiplier onion 'DOGR-1549-Agg' registered with ICAR-NBPGR

Multiplier onion (*Allium cepa* var. *aggregatum*) is mainly grown in Tamil Nadu, Andhra Pradesh and Karnataka. It is famous for its use in *Sambar* preparation, an important South Indian dish. It has high export potential also. It produces cluster of aggregated bulbets. An early maturing multiplier onion variety suitable for both *kharif* and *rabi* seasons was not available. Hence, the work in this direction was conducted which led to development of an early maturing multiplier onion 'DOGR-1549-Agg'. It is the first multiplier red onion genotype registered with ICAR-NBPGR, New Delhi with National Identity IC-0616539 and Registration No. INGR16006. It is about one week earlier than popular variety CO-5 and suitable for both *rabi* and *kharif.* This genotype has six uniform pink bulblets per bulb.

अनूठा अगेती एवं उच्च उपजशील गुलाबी मल्टिप्लायर प्याज 'डीओजीआर–1549–एग'

Unique early and high yielding pink multiplier onion 'DOGR-1549-Agg'

अमर जीत गुप्ता, विजय महाजन, एस. आनन्दन, एवं जय गोपाल
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan, S. Anandhan and Jai Gopal

एलियम सेपा एल. में नए नर वंध्य वंशक्रमों की पहचान

रबी 2015–16 में भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर के प्याज फसल सुधार खंड में लगाए गए विभिन्न किस्मों/वंशक्रमों के लगभग 5000 पौधों का, जिनमें डीयूएस परियोजना के तहत रखरखाव के लिए लगाए गए जननद्रव्य, उन्नत प्रजनन वंशक्रम, किस्में एवं वाणिज्यिक बीज उत्पादन के लिए लगाई किस्में शामिल थी, प्राकृतिक नर वंध्य पौधों को खोजने हेतु निरीक्षण किया गया। इनमें से केवल दो प्राकृतिक लाल प्याज के नर वंध्य वंशक्रम, एक 'आरजीपी–4–सेल' से और दुसरा 'अर्का कल्याण' से चुने

New male sterile lines identified in *Allium cepa* L.

During *rabi* 2015-16, about 5000 plants of different varieties/ lines were observed in onion crop improvement block of ICAR-DOGR, Rajgurunagar including germplasm, advance breeding lines, varieties planted for maintenance under DUS project and variety planted for commercial seed production to search naturally occurred male sterile plants. Out of these, only two naturally occurred red onion male sterile lines, one from 'RGP-4-Sel' and another from 'Arka Kalyan' were selected. Pollens of these two naturally

गए। इन दो नए प्राकृतिक नरवंध्य वंशक्रमों के परागणों की वंध्यता की एसीटोकारमीन परिक्षण द्वारा पुष्टि की गई। अनुरक्षक वंशक्रमों के गुणन / विकास के साथ ही डीएनए के माध्यम से पुष्टि का कार्य प्रगति पर है।

occurred new male sterile lines were also confirmed for sterility through acetocarmine test. Multiplication/ development of maintainer lines as well as confirmation through DNA are under progress.

नर वंध्य फूल /Male sterile flowers

आरजीपी–4–सेल / RGP-4-Sel

नर उपजाऊ फूल /Male fertile flowers

आरजीपी–4–सेल / RGP-4-Sel

नर वंध्य परागण /Male sterile pollens

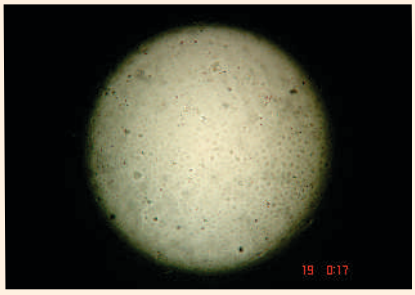

आरजीपी–4–सेल / RGP-4-Sel

अर्का कल्याण /Arka Kalyan

अर्का कल्याण /Arka Kalyan

नर उपजाऊ परागण /Male fertile pollens

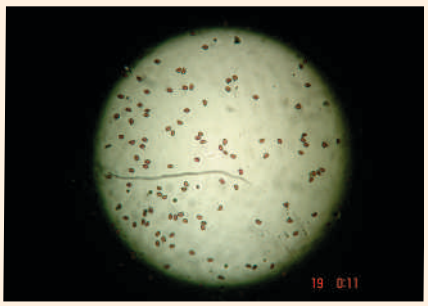

आरजीपी–4–सेल / RGP-4-Sel

अमर जीत गुप्ता, विजय महाजन एवं एस. आनन्दन
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan and S. Anandhan

भीमा सुपर एवं भीमा शक्ति की अधिसूचना के लिए सिफारिश

डॉ. ए. के. सिंह, उप महानिदेशक (बागवानी विज्ञान), भाकृअनुप की अध्यक्षता में दिनांक 22 सितम्बर, 2016 को हुई केंद्रीय फसल मानक, अधिसूचना एवं बागवानी फसलों के लिए किस्मों के विमोचन की उप–समिति की 24 वीं बैठक द्वारा भाकृअनुप–डीओजीआर की लाल प्याज की दो किस्मों, भीमा सुपर और भीमा शक्ति की अधिसूचना के लिए सिफारिश की गई।

Bhima Super and Bhima Shakti recommended for Notification

Two red onion varieties *viz.,* Bhima Super and Bhima Shakti of ICAR-DOGR have been recommended for notification by the 24th Meeting of Central Sub-Committee on Crop Standards, Notifications and Release of Varieties for Horticultural Crops held under the Chairmanship of Dr. A. K. Singh, DDG (Horticulture Science), ICAR on 22 September, 2016.

भीमा सुपर / Bhima Super

भीमा शक्ति / Bhima Shakti

अमर जीत गुप्ता, विजय महाजन, के. ई. लवांडे एवं जय गोपाल
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan, K.E. Lawande and Jai Gopal

किस्में Varieties	अनुशंसित क्षेत्र Recommended Area	मुख्य विशेषताएं Salient features
भीमा सुपर Bhima Super	खरीफ मौसम: ज़ोन II, IV, V एवं VI (छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, जम्मू, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान और तमिलनाडु) *Kharif* season: Zone II, IV, V and VI (Chhattisgarh, Delhi, Gujarat, Haryana, Jammu, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Odisha, Punjab, Rajasthan and Tamil Nadu)	आकर्षक लाल कंद, परिपक्वता: रोपाई के 100–105 दिनों के बाद, औसत उपज: 22–26 टन/हे., संभावित उपज: 48 टन/हे., बहुत कम जोड़ एवं तोर कंद, अधिकतम एकल केंद्रित कंद, सुखी चकतियां एवं सलाद बनाने के लिए उपयुक्त। Attractive red bulbs, maturity: 100-105 days after transplanting, average yield: 22-26 t/ha, potential yield: 48 t/ha, storability:30-45 days, very less doubles and bolters, maximum single centered bulbs, suitable for making dehydrated rings and salad.
भीमा शक्ति Bhima Shakti	रबी मौसम: ज़ोन त एवं तख (आन्ध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा) *Rabi* season: Zone V and VI (Andhra Pradesh, Chhattisgarh, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra and Odisha)	आकर्षक लाल कंद, परिपक्वता: 125–135 दिनों के बाद, औसत उपज: रबी में 32–36 टन/हे. एवं संभावित उपज 52 टन/हे., बहुत अच्छी भंडारण क्षमता पाच महिनों तक, एकसमान ग्रीवा गिरना, निकासी के तुरंत बाद कंद आकर्षक लाल रंग के होना, महाराष्ट्र से पछेती खरीफ के लिए भी उपयुक्त। Attractive red bulbs, maturity: 125-135 days after transplanting, average yield: 32-36 t/ha in *rabi* and potential yield up to 52 t/ha, very good bulbs storability up to five months, uniform neck-fall, bulbs attain immediate attractive red colour after harvest, also suitable for late *kharif* in Maharashtra.

प्याज बीज उत्पादन में परागक की भूमिका का परिमाणन

प्याज परागण में कीट परागकों की भूमिका को अपवर्जन पद्धति के माध्यम से निर्धारित किया गया। प्रयोग की योजना दो समूहों में की गई। एक समूह में मुक्त परागण किया गया जहां पुष्पछत्र सभी परागकों (गैर–बंदी) के लिए प्राप्य थे। दूसरे समूह में पुष्पक प्रस्फुटन से पहले परागकों को प्रतिरोध करने के लिए पुष्पछत्र को कीट प्रतिरोधी जाली (2 X 2 मी. पिंजरा) में आच्छादित किया गया। मुक्त परागण स्थिति वाले 2 वर्ग मीटर क्षेत्र में कुल बीज उपज 154.6 ग्राम पाई गई, जबकि 2 वर्ग मीटर की कीट प्रतिरोधी जाली में यह 46.2 ग्राम प्राप्त हुई। गैर–बंदी और बंदी स्थितियो में प्रति पुष्पछत्र औसत बीज उत्पादन क्रमशः 1.66 ग्राम और 0.50 ग्राम था। मुक्त परागक वाली स्थिति में बीज उत्पादन प्रतिरोध परागक वाली स्थिति से 3.35 गुना ज्यादा प्राप्त हुआ। अध्ययन के दौरान प्रमुख मधुमक्खी परागक दिखाई दिए।

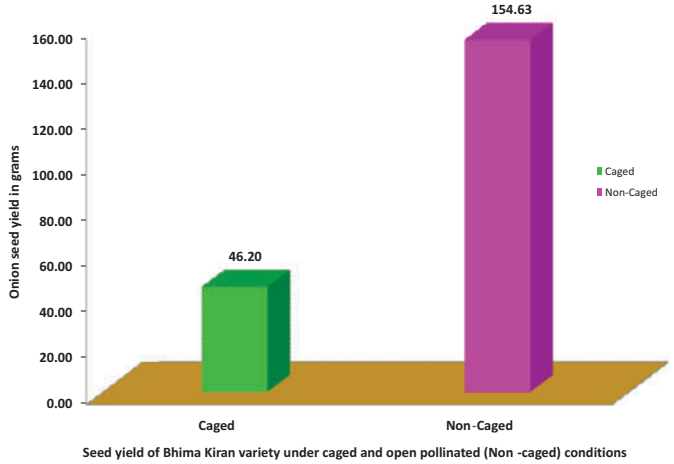

Seed yield of Bhima Kiran variety under caged and open pollinated (Non -caged) conditions

Quantification of role of pollinator in onion seed production

Role of insect pollinators in onion pollination has been quantified through pollinator exclusion method. Experiments planned in two sets, one with open pollinations where umbels were accessible to all the pollinators (non-caged). In another set, umbels were covered with an insect proof mesh (2 x 2 m cage) before florets opening for disallowing the pollinators. The total seed yield was 154.6 g in a 2 sq. m area under open pollinated condition while it was 46.2 g in a 2 sq. m area under insect proof cage. The average seed yield per umbel was 1.66 g and 0.50 g in non-caged and caged conditions, respectively. The seed yield under pollinators accessible condition was 3.35 time higher than pollinator not accessible condition. The major bee pollinators were observed during study.

वी.करूपैया, प्रियंका डी.वाघ एवं पी.एस.सौम्या
V. Karuppaiah, Priyanka D. Wagh and P. S. Soumia

खरीफ प्याज की नई कीट – ग्रीन लूपर *क्राइसोडेक्सीस* स्पे.

ग्रीन लूपर *क्राइसोडेक्सीस* स्पे. को खरीफ प्याज की फसल में पाया गया। निक्रा परियोजना के तहत किए गए कीट निगरानी के समय इस कीट को दर्ज किया गया। यह कीट, प्रकार लेपीडोप्टेरा और परिवार नॉक्टीडे के अंतर्गत आती है। डिंभक चमकदार हरे रंग का होता है और इसके पैरों की तीन जोड़ीयां होती हैं। कोषस्थ कीट प्रारंभिक अवस्था में हरे रंग की होती है, जो बाद में सफेद कोष के साथ भूरे रंग मे बदल जाती है। प्रौढ शलभ भूरे रंग की होती है जिसके पंखो में एक विषेश अंडाकार के चांदी जैसे धब्बे होते हैं। पुरी पत्तियां खाने वाली यह निष्पक कीट प्रारंभिक डिंभक अवस्था में पत्तियां खुरचती है और बाद में ज्यादातर पत्तियों में छेद करके खाती है। इस कीट को सितम्बर–अक्टूबर महीनों के दौरान पाया गया। भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर में 41 वें मौसम मानक सप्ताह के दौरान अधिकतम 2 डिंभक प्रति वर्ग मीटर दर्ज किए गए तथा सर्वेक्षण किए गए आसपास के गावों के किसानों के खेतों में इनकी संख्या नगण्य थी।

ग्रीन लूपर द्वारा प्याज पत्तों की हानी
Green looper damaged onion leafs

A new pest of *kharif* onion–Green looper *Chrysodeixis* sp.

The occurrence of Green looper, *Chrysodeixis* sp. has been recorded in *kharif* onion crop. This pest was reported while conducting pest surveillance in onion under NICRA project. This pest belongs to the order Lepidoptera and family Noctuidae. The larvae is glossy green in colour with three pair of prolegs. Pupae is green in colour at initial stage and later turns into brown with white cocoon. Adult moth is brown coloured with peculiar oval silver spot in the fore wings. It is a defoliater pest, early larvae instars scraps the leave and later instars make large feeding bore holes. The occurrence was recorded during September - October months. The maximum of 2 larva per sq.m were recorded during 41th Standard Meteorological Week at ICAR-DOGR, Rajgurunagar and negligible incidence also observed at farmers fields surveyed nearby villages.

ग्रीन लूपर *क्राइसोडेक्सीस* डिंभक
Green looper *Chrysodeixis* larva

वी.करूपैया, प्रियंका डी.वाघ एवं पी.एस.सौम्या
V. Karuppaiah, Priyanka D. Wagh and P. S. Soumia

काली / कर्तनकीट – *एग्रोटीस इप्सीलोन* का रबी प्याज की फसल में प्रकोप

दिसम्बर 2016 के दौरान निक्रा परियोजना के तहत प्याज कीट के लिए यादृच्छिक सर्वेक्षण संचालित किया गया। प्याज की महत्वपूर्ण कीट – थ्रिप्स के अलावा, काली कर्तनकीट, *एग्रोटीस इप्सीलोन* (लेपीडोप्टेरा : नॉक्टीडे) का प्रकोप दौंड तालुका के खडीकी तथा बारामती तालुका के तरडगांव, कुसूर, मालेवाडी, मिरेवाडी, कालज, शिवतकरवाडी में देखा गया। खडीकी और तरडगांव में इसका प्रकोप तीव्र था। प्रारंभिक निरीक्षणों से पता चला है कि मुख्य रूप से इस कीट का प्रकोप सीधे बोए गए प्याज की 50 दिनों की

Incidence of black cutworm– *Agrotis ipsilon* in *rabi* onion crop

Random survey for onion pest was conducted under NICRA project during December 2016. In addition to the key onion pest - thrips, incidence of black cutworm, *Agrotis ipsilon* (Lepidoptera: Noctuidae) in onion has been observed in farmers field from Khadiki in Daund Taluka and Taradgaon, Kusur, Malewadi, Mirewadi, Kalaj, Shivatakarwadi in Baramati Taluka. Incidence was severe at Khadiki and Taradegaon villages. Preliminary observations revealed that the infestation was mainly noticed in directly sown 50

फसल में दिखाई दिया। क्षतिग्रस्त पौधे लगभग 3–5 पत्तियों की अवस्था के थे। मिश्रित अवस्थाओं के अंधाधुंद भक्षण करने वाले कैटरापिलर अधिकतर युवा पौधे के पत्ते पसंद करते है। बड़े डिंभक पूरी तरह से डंठल काटते है, जिसके कारण पौधे कमजोर होकर मर सकते है। दो वर्ग मीटर क्षेत्र में लगभग 1–2 डिंभक पाए गए। सामान्य तौर पर, जहां मिट्टी नम और ढीली थी, वहां धब्बों के रूप में नुकसान दिखाई दिया।

days old onion crops. The damaged plants were of about 3-5 leave stages. Caterpillars of mixed instars are indiscriminate feeders that mostly prefer tender foliage of young seedlings. Larger larvae may completely cut through stalks, which can cause plants to wilt and die. About 1-2 larvae were observed in 2 sq.m. area. In general, damage was seen in patches where moist loosen soil existed.

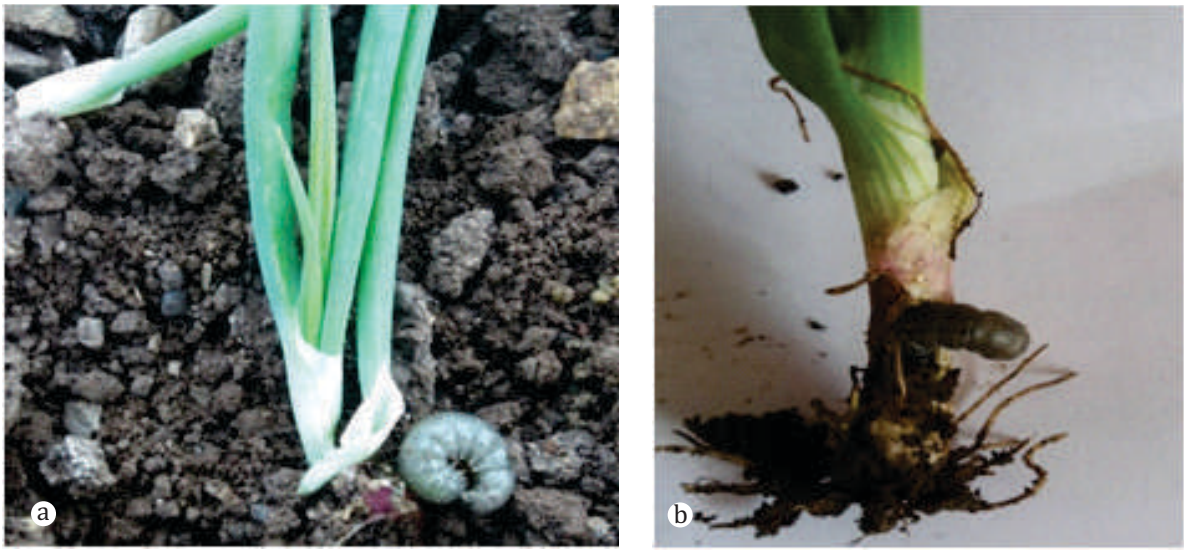

(अ) *एग्रोटीस इप्सीलोन* का डिंभक (ब) डंठल काटते हुए प्रौढ डिंभक (मूल–संधि क्षेत्र)
(a) Larva of *Agrotis ipsilon* (b) Mature larva cutting through stalks (collar region)

वी.करूपैया, पी.एस.सौम्या, ए.थंगासामी एवं विजय महाजन
V. Karuppaiah, P.S. Soumia, A. Thangasamy and Vijay Mahajan

भीमा किरण – एक सफल गाथा

भाकृअनुप–डीओजीआर द्वारा विकसित हल्के लाल रंग की प्याज की किस्म भीमा किरण महाराष्ट्र एवं आसपास के राज्यों में सफलता की कहानी बन चुकी है । सीआईटीएच, श्रीनगर (जम्मू कश्मीर) में 10–11 मई 2010 के दौरान आयोजित अखिल भारतीय प्याज एवं लहसुन अनुसंधान नेटवर्क परियोजना की कार्यशाला में इस किस्म की संस्तुति रबी मौसम में राष्ट्रीय स्तर पर आन्ध्र प्रदेश, बिहार, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, एवं उत्तर प्रदेश के लिए की गई। यह रोपाई के बाद 125–135 दिनों में परिपक्व होती है तथा इसमें हल्के लाल रंग के अच्छी भंडारण क्षमता वाले कंद प्राप्त होते है। यह कीट एवं पर्णीय रोगों के लिए सहनशील है। आदिवासी किसान समूह – मेराली याहा शेतकरी बचत गट, पालिपाडा, तालुका नवापुर, जिला नंदुरबार, महाराष्ट्र के समूह नेता श्री. हरीश नूरजी वालवी ने भाकृअनुप डीओजीआर की सिफारिश की गई प्रौद्योगिकी को अपनाकर प्याज कंद की फसल ऊगाई और 200 क्विंटल प्रति एकड़ विपणन योग्य कंद उपज प्राप्त की, जिसे मात्र 6/– रुपये प्रति किलो की दर से बेचकर भी 80,000 रुपये की शुद्ध आय अर्जित हुई। आदिवासी महिला समूह सरस्वती महिला बचत गट, पालिपाडा की समूह नेता श्रीमती अर्चना सुरूपसिंह वालवी ने भी भाकृअनुप डीओजीआर की सिफारिश की गई

Bhima Kiran – A Success Story

"Bhima Kiran" - a light red onion variety developed by ICAR-DOGR has become a success story in Maharashtra and adjoining states. This variety was recommended at national level in 1st Annual Group Meeting of AINPORG held at CITH, Srinagar (J&K) during 10-11 May, 2010 for cultivation in *rabi* season in Andhra Pradesh, Bihar, Delhi, Haryana, Karnataka, Maharashtra, Punjab and Uttar Pradesh. It matures in 125-135 days after transplanting and has light red attractive bulbs with good storability. It has field tolerance to thrips and foliar diseases. Mr. Harish Nurjee Valvi, a group leader of tribal farmers of Merali Yaha Shetkari Bachat Gat, Palipada, Tal. Navapur, Dist. Nandurbar, Maharashtra raised onion bulb crop adopting ICAR-DOGR recommended technologies and produced 200 q per acre marketable bulb yield and earned net income of Rs. 80,000/- per acre even when onion bulbs were sold at the rate of Rs. 6/- per kg. Mrs. Archana Surupsingh Valvi, a group leader of tribal women farmers of Saraswati Mahila

प्रौद्योगिकी के अनुसार प्याज बीज की फसल उगाकर 297 किलो प्रति एकड़ प्याज का बीज प्राप्त किया, जिसे बेचकर उन्होंने 1,04,000/– रूपये प्रति एकड़ की शुद्ध आय अर्जित की। भीमा किरण किस्म के प्याज कंद एवं बीज उत्पादन के लिए आदिवासी जिला नंदुरबार में किए गए 15 प्रदर्शन सहित कई प्रदर्शन देश के विभिन्न भागों में संचालित किए गए। किसानों ने भीमा किरण को रबी मौसम में भंडारण क्षमता (पांच महिनों तक) के लिए सबसे अच्छी किस्म के रूप में पाया। इस किस्म को अब अलग – अलग राज्यों में हजार हेक्टेर से भी अधिक क्षेत्र में उगाया जाता है। भीमा किरण किस्म अपनाकर ज्यादातर किसान 1.0 लाख रुपये प्रति एकड़ का शुद्ध मुनाफा कमा रहे है। श्री. हरीश नुरजी वालवी और श्रीमती अर्चना सुरूपसिंह वालवी को प्याज की खेती में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए भाकृअनुप–डीओजीआर के 19 वें स्थापना दिवस (16 जून, 2016) पर सम्मानित किया गया।

Bachat Gat, Palipada also raised onion seed crop as per ICAR-DOGR recommended technology and produced 279 kg per acre onion seed and earned net income of Rs. 1, 04,000/- per acre. Several demonstrations were conducted in different parts of the country on onion bulb and seed production of Bhima Kiran variety including 15 demonstrations in tribal district Nandurbar. Farmers found Bhima Kiran best for bulb storage (up to five months) during *rabi* season. This variety is now grown over thousand hectares area in different states. Most of the farmers are earning a net profit of more than Rs. 1.0 lakh per acre by cultivating Bhima Kiran. Mr. Harish Nurjee Vadvi and Mrs. Archana Surupsingh Valvi felicitated on the occasion of 19th Foundation Day of ICAR-DOGR (16 June, 2016) for their significant contribution in onion cultivation.

नंदुरबार में किसानों के खेतों पर भीमा किरण का निष्पादन
Performance of Bhima Kiran at farmers' fields in Nandurbar

अमर जीत गुप्ता, विजय महाजन, के.ई.लवांडे एवं एस. एस. गाडगे
Amar Jeet Gupta, Vijay Mahajan, K.E. Lawande and S.S. Gadge

सचिव, कृअनुशिवि एवं महानिदेशक, भाकृअनुप का डीओजीआर को दौरा

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग और महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने दिनांक 21–22 अक्टूबर, 2016 को प्याज एवं लहसुन निदेशालय का दौरा किया तथा निदेशालय की गतिविधियों का मूल्यांकन किया। उन्होंने भाकृअनुप–डीओजीआर के सभी वैज्ञानिक एवं कर्मचारियों के साथ चर्चा की। डॉ. महापात्र ने डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भाकृअनुप–डीओजीआर को, जिनकी सेवानिवृत्ति दिनांक 31 अक्टूबर, 2016 को थी, इस अवसर पर सम्मानित किया। उन्होंने निदेशालय में किए जा रहे कार्य तथा उपलब्धियों की सराहना की एवं इनमें और सुधार के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। निदेशालय के कर्मचारियों ने माननीय महानिदेशक को उनके द्वारा निदेशालय को तहेदिल से समर्थन करने तथा इस दौरे के लिए अपना बहुमूल्य समय देने के लिए धन्यवाद किया।

Secretary, DARE & DG, ICAR's visit to DOGR

Dr. Trilochan Mohapatra, Secretary, DARE & Director General, Indian Council of Agricultural Research visited Directorate of Onion and Garlic Research on 21-22 October, 2016 and monitored the activities of the Directorate. He had discussion with scientists and other staff of ICAR-DOGR. Dr. Mohapatra also felicitated Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR on the occasion as his retirement was due on 31 October, 2016. He appreciated the work and achievements of the Directorate and gave valuable suggestions for further improvement. DOGR staff thanked honourable DG for his whole hearted support to the Directorate and the valuable time spared by him for the visit.

सचिव, कृअनुशिवि एवं महानिदेशक, भाकृअनुप का डीओजीआर को दौरा
Secretary, DARE & DG, ICAR's visit to DOGR

डॉ. जय गोपाल को सम्मानित करते हुए सचिव, कृअनुशिवि एवं महानिदेशक
Secretary, DARE & DG felicitating Dr. Jai Gopal

संस्थान की गतिविधियां

जनजातीय उप–योजना के तहत गतिविधियां

भाकृअनुपडीओजीआर ने कृविके, नंदुरबार के सहयोग से जनजातीय उप–योजना के तहत बंधारपाडा, रायंगण, सावरट, खैरवी एवं खांडबारा, जिला नंदुरबार में प्याज भण्डारण प्रौद्योगिकी, रबी प्याज उत्पादन तकनिकी, प्याज एवं लहसुन की वाणिज्यिक खेती और प्याज में विभिन्न आदानों का उपयोग पर अलग–अलग प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन दिनांक 22–23 अगस्त 2016, 4–6 अक्टूबर 2016 एवं 19 दिसम्बर 2016 को किया। नंदुरबार जिले से विभिन्न गावों के कुल 395 किसानों ने इन प्रशिक्षणों में भाग लिया। दिनांक 5 अक्टूबर, 2016 को सब्जी उत्पादकों की बैठक भी आयोजित की गई। प्रशिक्षण कार्यक्रमों में डॉ.ए.जे.गुप्ता, नोडल अधिकारी, जनजातीय उप–योजना ने प्याज एवं लहसुन की उन्नत किस्में और जनजातीय उप–योजना की गतिविधियों का नंदुरबार में प्रभाव पर व्याख्यान दिए तथा डॉ.एस.एस.गाडगे, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) ने प्याज भण्डारण प्रौदयोगिकी, रबी प्याज उत्पादन तकनिकी, प्याज में विभिन्न आदानों का उपयोग पर व्याख्यान दिए। डॉ. राजेंद्र दहातोंडे, प्रमुख एवं श्री.आर.एम.पाटील, विषय वस्तु विशेषज्ञ (बागवानी), कृविके, नंदुरबार ने भी किसानों को मार्गदर्शन किया। श्री.ए.आर.वखरे, वरिष्ठ तकनिकी सहायक और श्री.एच.एस.गवली, वरिष्ठ तकनीशियन ने प्रशिक्षण कार्यक्रमों

Institutional Activities

Activities under Tribal Sub-Plan

ICAR-DOGR organized various training programmes under TSP scheme in collaboration with KVK, Nandurbar on ''Onion storage technology'', ''*Rabi* onion production technology'', “Commercial cultivation of onion and garlic” and “Application of various inputs in onion and garlic” at Bandharpada, Raingan, Savrat, Khairve and Khandbara, District Nandurbar on 23-24 August 2016, 4-6 October 2016 and 19 December 2016. Total 395 farmers from various villages of Nandurbar district were participated in these trainings. Vegetable Growers Meet was also organized on 5 October, 2016. In training programmes, Dr. A. J. Gupta, Nodal Officer, TSP delivered lectures on improved varieties of onion and garlic, and impact of activities of TSP in Nandurbar, and Dr. S. S. Gadge, Senior Scientist (Agricultural Extension) delivered lectures on onion storage technology, *rabi* onion production technology and application of various inputs in onion and garlic. Dr. Rajendra Dahatonde, Head and Mr. R. M. Patil, SMS (Horti.), KVK, Nandurbar also guided the farmers. Mr. A. R. Wakhare, Senior Technical Assistant and Mr. H. S. Gawali, Senior Technician assisted in successful conduction of training

के सफलतापूर्वक आयोजन में योगदान दिया। रबी मौसम के दौरान कुल 41 प्रदर्शन संचालित किए गए। इनमें से, तीस प्याज किस्में भीमा किरण एवं भीमा शक्ति पर, दस प्याज किस्में भीमा शक्ति भीमा सुपर एवं भीमा रेड तथा एक भीमा पर्पल लहसुन उत्पादन पर थे। सभी प्रदर्शन भाकृअनुप डीओजीआर की सिफारिशों के अनुसार किसानों के खेतों में लगाए गए थे।

programmes. In total, 41 demonstrations were conducted during *rabi* season. Out of these, thirty were on bulb production of onion varieties Bhima Kiran and Bhima Shakti; ten on seed production of onion varieties Bhima Shakti, Bhima Super and Bhima Red; and one on garlic production of Bhima Purple. All the demonstrations were conducted at farmers' fields as per ICAR-DOGR recommendations.

मेरा गांव मेरा गौरव योजना के तहत गतिविधियां

'मेरा गांव मेरा गौरव' योजना के तहत भाकृअनुप–डीओजीआर द्वारा अपनाएं पंद्रह गांवों नामत: गडाकवाडी, वरूडे, गुलानी, वाफगांव, जवुलके, रासे, दत्तवाडी, शेल पिंपलगाव, खैरेनगर, भोसे, गोसासी, मिटगुडवाडी, कान्हुर मेसाई, खैरेवाडी और दौंडकरवाडी में विभिन्न गतिविधियां कार्यान्वित की गई। सभी अपनाएं गावों में कुल 15 प्रर्दशन (प्रत्येक गांव में एक) संचालित किए गए। 'मेरा गांव मेरा गौरव' योजना के अंतर्गत एकीकृत कीट प्रबंधन और उन्नत विधियों द्वारा प्याज एवं लहसुन की खेती पर सात प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन पाबल, गोसासी, खैरेवाडी, वाफगांव, मिटगुडवाडी, जवुलके, और गुलानी में किया गया। कुल 243 किसानों ने इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। भाकृअनुप–डीओजीआर में विश्व मृदा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में इन गावों के सौ किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरीत किए गए। स्वच्छ भारत पखवाड़ा के दौरान इन गावों के पंचायत कार्यालय, मंदिर परिसर, आदि मुख्य सार्वजनिक क्षेत्रों में सफाई की गतिविधियां की गई।

Activities under *Mera Gaon Mera Gaurav* scheme

Under *Mera Gaon Mera Gaurav* (My Village My Pride) scheme, different activities were carried out in ICAR-DOGR adopted fifteen villages *viz.,* Gadakwadi, Varude, Gulani, Wafgaon, Jawulke, Rase, Dattawadi, Shel Pimpalgaon, Khairenagar, Bhose, Gosasi, Mitgudwadi, Kanhur Mesai, Khairewadi and Daundkarwadi. Total 15 demonstrations (One in each village) on ICAR-DOGR varieties were conducted in all adopted villages. Seven trainings on integrated pest management and improved cultivation practices in onion and garlic were conducted in Pabal, Gosasi, Khairewadi, Wafgaon, Mitgudwadi, Jawulke and Gulani under *Mera Gaon Mera Gaurav* scheme. Total 243 farmers were participated in these training programmes. Soil health cards were distributed to 100 farmers of these villages on World Soil Day programme organized at ICAR-DOGR. Cleaning activities were also carried out at Panchayat offices, temples, etc. primary public areas in these villages during Swachh Bharat Pakhwada.

स्वतंत्रता दिवस मनाया

भाकृअनुपडीओजीआर में 70 वां स्वतंत्रता दिवस अति उत्साह के साथ मनाया गया। डॉ. विजय महाजन, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप–डीओजीआर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। अपने संबोधन में, डॉ. महाजन ने स्वतंत्रता पाने के लिए महान नेताओं द्वारा दिए गए बलिदान को याद दिलाया और उनके कार्य तथा त्याग से प्रेरित होकर निदेशालय की प्रगति में सहयोग एवं एकता के साथ योगदान करने के लिए कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया।

Independence Day celebrated

ICAR-DOGR celebrated 70th Independence Day on 15th August 2016 with great joy. Dr. Vijay Mahajan, Principal Scientist, ICAR-DOGR hoisted the national flag. In his speech, Dr. Mahajan reminded the sacrifices made by the great leaders to get independence to the country and asked all the staff to get inspired by their work and devotion and contribute in progress of the Directorate with cooperation and unity.

हिंदी सप्ताह

भाकृअनुप–डीओजीआर ने दिनांक 8–14 सितम्बर, 2016 के दौरान हिंदी सप्ताह मनाया। राजभाषा सचिव द्वारा गतवर्ष हिंदी में किये गए कार्यों और भविष्य में हिंदी भाषा के प्रयोग पर विस्तृत चर्चा की गई। हिंदी सप्ताह के दौरान निदेशालय के कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर भाग लिया। हिंदी सप्ताह के समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्री. मितेश घट्टे, पुलिस उपाधीक्षक, खेड तालुका तथा विशिष्ट अतिथि श्री.संजय भारद्वाज, अध्यक्ष, हिंदी आंदोलन परिवार ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भाकृअनुप–डीओजीआर ने संक्षेप में निदेशालय की मुख्य उपलब्धियां बताई तथा भाकृअनुप–डीओजीआर में हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश ड़ाला। निदेशालय से प्रकाशित हिंदी राजभाषा पत्रिका 'कन्दिका' के तृतीय अंक का विमोचन इस अवसर पर किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। तत्पश्चात श्री. संजय भारद्वाज ने हिन्दी भाषा के प्रयोग,विश्व में हिन्दी का स्तर एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। श्री. मितेश घट्टे ने अपने संभाषण में भारतीय संस्कृति और भाषा के प्रसार की जरूरत पर जोर दिया। डॉ.एस.एस.गाडगे ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। डॉ. अमर जीत गुप्ता द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

Hindi Week

ICAR-DOGR observed Hindi week during 8-14 September, 2016. The work done in Hindi in previous year and its future prospects were discussed in detail by Rajbhasha Secretary. Various competitions were organized for staff of the Directorate during Hindi week. Staff participated in these competitions with huge enthusiasm. Mr. Mitesh Ghatte, DSP, Khed Taluka was the chief guest and Mr. Sanjay Bharadwaj, President, Hindi Andolan Pariwar was the special guest for the closing ceremony of the Hindi week. Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR briefed the major achievements of the Directorate and highlighted the efforts made for the use of Hindi at ICAR-DOGR. The third issue of Directorate's Rajbhasha Patrika 'Kandika' was released on this occasion. Winners of various competitions were given prizes. Subsequently Mr. Sanjay Bharadwaj expressed his views on use of Hindi language, status and achievements of Hindi in World. Mr. Mitesh Ghatte, in his speech, focused on the need of spreading Indian culture and language. Dr. S. S. Gadge was compere of this programme. Dr. A. J. Gupa gave vote of thanks at the end of the programme.

स्वच्छ भारत पखवाड़ा

भाकृअनुप डीओजीआर में स्वच्छ भारत पखवाड़ा दिनांक 15–31 अक्टूबर, 2016 के दौरान मनाया गया। पखवाड़ा के पहले दिन डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भाकृअनुप–डीओजीआर ने निदेशालय के सभी कर्मचारियों को स्वच्छ भारत शपथ दिलाई। इस पखवाड़ा के दौरान, हर दिन एक घंटे के लिए निदेशालय के परिसर में सफाई की गतिविधियां की गई। 'मेरा गांव मेरा गौरव' योजना के तहत अपनाएं गावों में वैज्ञानिकों के समूह द्वारा साफ–सफाई के महत्त्व पर जागरूकता का प्रसार किया गया। इन गावों के पंचायत कार्यालय, मंदिर परिसर, आदि मुख्य सार्वजनिक क्षेत्रों में भी सफाई की गतिविधियां की गई।

Swachh Bharat Pakhwada

ICAR-DOGR celebrated Swachh Bharat Pakhwada (Clean India Fortnight) during 15-31 October, 2016. On the first day of Pakhwada, Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR administered Swachh Bharat pledge to all staff of the Directorate. During the period, cleaning activities were carried out within premises of the Directorate for one hour every day. Awareness was imparted on the importance of cleanliness were conducted by group of scientists in the villages adopted under *Mera Gaon Mera Gaurav* programme. Cleaning activities were also carried out at the primary public areas like Panchayat offices, temple premises, etc. of these villages.

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भाकृअनुप–डीओजीआर में दिनांक 26–31 अक्टूबर, 2016 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह मुख्य उद्देश्य '' अखंडता को बढ़ावा देने एवं भष्टाचार समाप्त करने में जनता की भागीदारी '' यह था। निदेशालय के परिसर में तथा मुख्य प्रवेश द्वार पर बैनर एवं पोस्टर लगाकर लोगों में सतर्कता जागरूकता का प्रचार किया गया। भाकृअनुप–डीओजीआर के सभी कर्मचारियों ने दिनांक 29 नवम्बर, 2016 को निदेशालय को भष्टाचार मुक्त बनाए रखने की प्रतिज्ञा ली। सतर्कता जागरूकता के अंतिम दिन, भष्टाचार गतिविधियां के उन्मूलन के लिए तरीकों को तलाशने हेतु चर्चासत्र का आयोजन भी किया गया।

Vigilance Awareness Week

ICAR-DOGR observed vigilance awareness week during 26-31 October, 2016. This year, the main aim of observing vigilance awareness week was "Public participation in promoting integrity and eradicating corruption". Banners and posters were displayed in premises and at entrance of the Directorate to create awareness regarding vigilance in public. A pledge was administered by all staff of ICAR-DOGR on 29 November, 2016 to maintain the Directorate corruption free. On the last day of vigilance awareness week, discussion session was also held to find the ways to eradicate the corruption activities.

राष्ट्रीय एकता दिवस

गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को भाकृअनुप–डीओजीआर में दिनांक 31 अक्टूबर, 2016 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्र की एकता व अखंडता को बनाए रखने के लिए भाकृअनुप – डीओजीआर के सभी कर्मचारियों ने शपथ ली।

National Unity Day

As per the directions of the Ministry of Home Affairs, Govt. of India, the birth anniversary of Iron Man of India Sardar Vallabhbhai Patel was observed as National Unity Day on 31 October, 2016 at ICAR-DOGR. A pledge to maintain the unity and integrity of the country was taken by all the staff of ICAR-DOGR.

खाने योग्य एलियम्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

इंडियन सोसायटी ऑफ एलियम्स, पुणे ने खाने योग्य एलियम्स : सतत उत्पादन में चुनोतियां एवं भविष्य की रणनीति'' पर भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर, राष्ट्रीय बागवानी अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान, नई दिल्ली और बीज शीतल जैव विज्ञान प्रतिष्ठान, जालना के सहयोग से दिनांक 7–9 नवम्बर, 2016 के दौरान जालना में द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। प्याज एवं लहसुन पर काम कर रहे भारत और विदेश के वैज्ञानिकों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया। इस संगोष्ठी में बीज पर कार्य करने वाले व्यक्ति, प्रगतिशील किसान, प्याज व्यापारी तथा विकास विभागों के अधिकारी भी उपस्थित थे। डॉ. सी. डी. मायी, पूर्व अध्यक्ष,

National Symposium on Edible Alliums

Indian Society of Alliums (ISA), Pune organized 2nd National Symposium on "Edible Alliums: Challenges and future strategies for sustainable production" in collaboration with ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar, National Horticultural Research and Development Foundation, New Delhi and Beej Sheetal Bio Science Foundation, Jalna during 7-9 November, 2016 at Jalna. Total 103 scientists working on onion and garlic, from India and abroad attended the symposium. It was also attended by seedsmen, progressive farmers, onion traders and authorities from development departments. Dr. C. D.

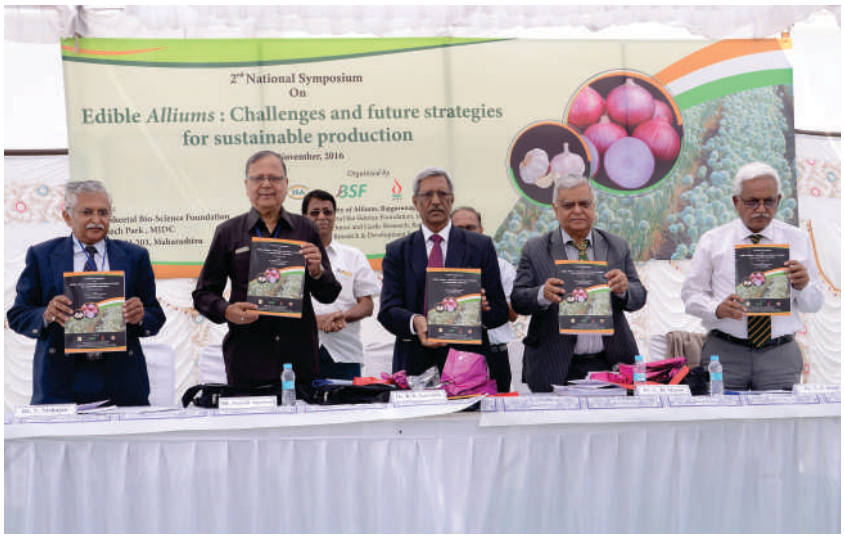

एएसआरबी, नई दिल्ली, डॉ. बी. वेंकटशरलु, कुलपति, एमएयू, परभणी, डॉ. वाई. एस. नेरकर, पूर्व कुलपति, एमपीकेवी, राहूरी, डॉ. के. ई. लवांडे, पूर्व कुलपति, डीबीएसकेके, दापोली, डॉ. एन. पी. सिंह, निदेशक, भाकृअनुप राष्ट्रीय अजैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, बारामती, डॉ.विजय महाजन, निदेशक (कार्यवाहक), भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय, राजगुरुनगर और श्री. सुरेश अग्रवाल, अध्यक्ष, बीज शीतल जैव विज्ञान प्रतिष्ठान, जालना जैसे महत्त्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों ने संगोष्ठी में भाग लिया। इस संगोष्ठी के दौरान 17 मुख्य वक्ताओं ने विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए, 18 वैज्ञानिकों ने मौखिक प्रस्तुतियां पेश की एवं 55 वैज्ञानिकों ने उनके शोध निष्कर्ष पोष्टर सत्र में प्रस्तुत किए।

साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह एवं झंडा दिवस

राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सदभाव प्रतिष्ठान, नई दिल्ली से प्राप्त अनुदेशों के अनुसार भाकृअनुप–डीओजीआर में दिनांक 19–25 नवम्बर, 2016 के दौरान साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह मनाया गया। डॉ. विजय महाजन, निदेशक (कार्यवाहक), भाकृअनुप–डीओजीआर ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया तथा साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए कर्मचारियों को प्रेरित किया। भाकृअनुप–डीओजीआर के समस्त कर्मचारियों ने झंडा दिवस पर साम्प्रदायिक सद्भाव निधि के लिए अंशदान दिया जिसे सचिव, राष्ट्रिय साम्प्रदायिक सदभाव प्रतिष्ठान को भेजा गया।

संविधान दिवस

भाकृअनुप–डीओजीआर में दिनांक 26 नवम्बर, 2016 को संविधान दिवस मनाया गया। श्री. सुनिल कुमार, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने संविधान एवं नागरिकों के अधिकार के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ. विजय महाजन, निदेशक (कार्यवाहक), भाकृअनुप–डीओजीआर ने संविधान के महत्त्व पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर, संविधान की प्रस्तावना को निदेशालय के सभी कर्मचारियों द्वारा पढ़ा गया।

खैरेवाड़ी में किसान संगोष्ठी का आयोजन

प्याज में एकीकृत कीट प्रबंधन को बढ़ावा देने हेतु दिनांक 30 नवम्बर, 2016 भाकृअनुप–डीओजीआर द्वारा पुणे जिले के खैरवाडी गांव में किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसे 'कंद (प्याज) के लिए अनुकूलनीय एकीकृत कीट प्रबंधन प्रौद्योगिकी का निरूपण, सत्यपन एवं संवर्धन परियोजना' के तहत भाकृअनुप एनसीआईपीएम, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया। खैरवाड़ी गांव की महिलाओं सहित पचास प्याज उत्पादकों तथा स्थानीय गैर सरकारी संगठन 'हरिता' के प्रतिनिधियों ने संगोष्ठी में भाग लिया। डॉ. विजय महाजन, निदेशक (कार्यवाहक), भाकृअनुप–डीओजीआर ने प्याज में एकीकृत कीट प्रबंधन के महत्त्व, लाभ, दृष्टिकोन तथा उपलब्ध प्रौद्योगिकी के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। डॉ.एच.आर.सरदाना, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप एनसीआईपीएम ने प्याज कीट प्रबंधन के लिए पर्यावरण को अनुकूल कम जोखिम वाले कीटनाशकों के इटीएल आधारित उपयोग के बारे में सविस्तार बताया।

Mayee, Ex Chairman, ASRB, New Delhi, Dr. B. Venkateswarlu, Vice Chancellor, MAU, Parbhani, Dr. Y. S. Nerkar, Ex Vice Chancellor, MPKV, Rahuri, Dr. K. E. Lawande, Ex Vice Chancellor, DBSKK, Dapoli, Dr. N. P. Singh, Director, ICAR-National Institute of Abiotic Stress Management, Baramati, Dr. Vijay Mahajan, Director (Acting), ICAR-Directorate of Onion and Garlic Research, Rajgurunagar and Shri. Suresh Agrawal, President, Beej Sheetal Bio Science Foundation, Jalna were the important dignitaries participated in the symposium. There were 17 lead speakers presented their view points on different issues, 18 scientists delivered oral presentations and 55 scientists presented their research findings in poster sessions.

Communal Harmony Week and Flag Day

As per the instructions received from National Foundation for Communal Harmony (NFFCH), New Delhi, Communal Harmony week was observed during 19- 25 November, 2016 at ICAR-DOGR. Flag Day was celebrated on 25 November, 2016. Dr. Vijay Mahajan, Director (Acting), ICAR–DOGR inaugurated the programme and inspired the staff to maintain communal harmony. All staff of ICAR-DOGR contributed for the National Foundation for Communal Harmony fund on the Flag Day which was sent to Secretary, NFFCH.

Constitution Day

ICAR-DOGR celebrated Constitution Day on 26 November, 2016. Mr. Sunil Kumar, Senior Administrative Officer briefed about the constitution and rights of the citizen. Dr. Vijay Mahajan, Director (Acting), ICAR-DOGR expressed views on importance of the constitution. On this occasion, the preamble of the constitution was read by all staff of the Directorate.

Kisan Sanghosti organized at Khairewadi

ICAR-DOGR organized Kisan Sanghosti to emphasize the importance of Integrated Pest Management (IPM) in onion at Khairewadi village of Pune district on 30 November, 2016. It was organized in collaboration with ICAR-NCIPM, New Delhi under the project 'Formulation, Validation and Promotion of Adaptable IPM Technology for bulb (onion)'. Fifty onion growers including women of Khairewadi village and representatives of local run NGO 'Harita' attended the Sanghosti. Dr. V. Mahajan, Director (Acting), ICAR-DOGR briefed the importance, benefits, approaches and available technologies of IPM in onion cultivation. Dr. H.R. Sardana, Principal Scientist, ICAR-NCIPM elaborated the important eco-friendly approaches as well as ETL based use of reduce risk insecticides for onion thrips management. Dr. S. J.

डॉ.एस.जे. गावंडे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप–डीओजीआर ने प्याज के रोगों को विस्तार से समझाया तथा कीट एवं रोगों के लिए भाकृअनुप डीओजीआर द्वारा विकसित प्रौद्योगिकीयों के बारे में जानकारी दी। डॉ. नारायण भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप एनसीआईपीएम और डॉ.वी.करूपैया, वैज्ञानिक, भाकृअनुप –डीओजीआर ने भी कार्यक्रम के दौरान किसानों के साथ बातचीत की।

Gawande, Senior Scientist, ICAR-DOGR explained about various onion diseases and ICAR-DOGR developed technologies for onion pests and disease management. Dr. Narayan Bhat, Principal Scientist, ICAR-NCIPM and Dr V. Karuppaiah, Scientist, ICAR-DOGR also interacted with the farmers during the meeting.

खैरेवाड़ी में किसान संगोष्ठी का आयोजन
Kisan Sanghosti organized at Khairewadi

कृषि शिक्षा दिवस

भाकृअनुप–डीओजीआर ने प्रथम केन्द्रीय कृषि मंत्री एवं स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जन्म वर्षगांठ पर दिनांक 3 दिसम्बर, 2016 को कृषि शिक्षा दिवस मनाया। छात्रों के बीच कृषि एवं संबध्द विषयों की भावना को बढ़ावा देने के लिए महात्मा गांधी उच्च विद्यालय एवं कनिष्ठ महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नौवीं कक्षा के लगभग 50 छात्रों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। डॉ. विजय महाजन, निदेशक (कार्यवाहक), भाकृअनुप–डीओजीआर ने कृषि शिक्षा दिवस मनाने के पीछे की पृष्ठभूमि बताई। उन्होंने कृषि विज्ञान क्षेत्र में शोध, शिक्षा तथा विस्तार के महत्त्व को बताया तथा छात्रों को कृषि के क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों को अपनाने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने इस कार्यक्रम में छात्रों के उत्साहपूर्वक भाग लेने पर ख़ुशी जताई। डॉ.एस.एस.गाडगे, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप–डीओजीआर ने कृषि के महत्त्व, भाकृअनुप की संरचनात्मक व्यवस्था एवं इसकी कृषि अनुसंधान, शिक्षा और विकास की गतिविधियों में भूमिका के बारे में छात्रों को अवगत कराया। डॉ. एस.आनन्दन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप–डीओजीआर ने प्रश्नमंजूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया। विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य, श्री.एस.एस.जाधव ने प्याज एवं लहसुन उत्पादक किसानों को वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए भाकृअनुप–डीओजीआर की प्रशंसा की। उन्होंने कृषि शिक्षा दिवस कार्यक्रम को महात्मा गांधी उच्च विद्यालय एवं महाविद्यालय में आयोजित करने के लिए भाकृअनुप–डीओजीआर को धन्यवाद किया।

Agricultural Education Day

ICAR- DOGR celebrated Agricultural Education Day on 3 December, 2016 to commemorate the birth anniversary of first Union Minister of Agriculture and first President of Independent India, Bharat Ratna Dr. Rajendra Prasad. The programme was organized at Mahatma Gandhi High School and Junior College, Rajgurunagar for promoting the spirit of agriculture and allied subjects among the students. About 50 students of Class IX along with their teachers and management representatives of Mahatma Gandhi High School and Junior College participated in the programme. Dr. Vijay Mahajan, Director (Acting), ICAR-DOGR explained the background behind celebrating Agricultural Education Day. He emphasized on the importance of research, education and extension in various spheres of agricultural sciences and motivated students to put the best efforts in shaping their career in the field of agriculture. He expressed pleasure about students' enthusiastic participation in this programme. Dr. S. S. Gadge, Senior Scientist, ICAR-DOGR briefed about the importance of agriculture, organizational set up of ICAR and its role in agricultural research, education and development activities. Dr. S. Anandhan, Senior Scientist, ICAR-DOGR conducted a quiz competition. The prizes were distributed to the winners. Shri. S. S. Jadhav, Principal of School praised ICAR-DOGR for its active role in providing scientific information to onion and garlic farmers. He thanked ICAR-DOGR for organizing Agricultural Education Day programme at Mahatma Gandhi High School and Junior College.

भाकृअनुप–डीओजीआर ने मनाया विश्व मृदा दिवस

भाकृअनुप–डीओजीआर में दिनांक 5 दिसम्बर, 2016 को 'विश्व मृदा दिवस' मनाया गया। डॉ. विजय महाजन, निदेशक (कार्यवाहक), भाकृअनुप–डीओजीआर ने अपने स्वागत पर भाषण में मिट्टी की जांच एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्त्व के बारे में संक्षेप में बताया। उन्होंने कहा कि फसलों में अधिक उत्पादन हेतु मिट्टी की जांच कराकर उचित मात्रा में ही उर्वरकों का उपयोग करें। डॉ. एस. एस. गाडगे, वरिष्ठ वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) ने किसानों को हाल ही में विकसित प्याज एवं लहसुन की विभिन्न प्रौदयोगिकियों के बारे में बताया। डॉ.ए.थंगासामी, वैज्ञानिक (मृदा विज्ञान) ने 'मृदा स्वास्थ्य एवं फसल उत्पादन के लिए संतुलित उर्वरक निषेचन' पर व्याख्यान दिया। मुख्य अतिथि श्री.बापूसाहेब थिगले, नगर परिषद अध्यक्ष, राजगुरुनगर ने मृदा स्वास्थ्य के महत्त्व पर अपने विचार व्यक्त किए तथा मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का उपयोग करने के लिए किसानों के बीच जागरूकता लाने हेतु इस तरह के कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने के लिए भाकृअनुप–डीओजीआर से अनुरोध किया। कुल 65 किसानों ने समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए।

ICAR-DOGR celebrated World Soil Day

'World Soil Day' was celebrated on 5 December, 2016 at ICAR-DOGR, Rajgurunagar. Dr. Vijay Mahajan, Director (Acting) ICAR-DOGR, in his welcome address, briefed about importance of soil testing and soil health card. He emphasized on balanced fertilizer application based on soil test for higher crop production. Dr. S. S. Gadge, Senior Scientist (Agricultural Extension) explained the recently developed technologies of onion and garlic to the farmers. Dr. A. Thangasamy, Scientist (Soil Science) delivered a lecture on 'Balanced fertilization for crop production and soil health'. The chief guest Mr. Bapusaheb Thigale, City President, Rajgurunagar Parishad expressed his views on importance of soil health and requested ICAR-DOGR to conduct such programmes on regular basis to create awareness among the farmers about fertilizer application based on soil test. Total 65 farmers attended the programme. The soil health cards were distributed to the farmers on the occasion.

मृदा स्वास्थ्य कार्ड का वितरण / Distribution of soil health cards

प्रशिक्षणों का आयोजन / Trainings organized

भाकृअनुप–डीओजीआर ने निम्नलिखित किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया ।

प्रशिक्षण का शीर्षक Topic of Training	द्वारा आयोजित Sponsored by	तारीख व स्थान Date and Venue	प्रतिभागियों की संख्या No. of Participants
खरीफ प्याज उत्पादन प्रौद्योगिकी *Kharif* onion production technology	एमजीएमजी, भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	4 जुलाई, 2016, पाबल 4 July, 2016 , Pabal	25

प्रशिक्षण का शीर्षक Topic of Training	द्वारा आयोजित Sponsored by	तारीख व स्थान Date and Venue	प्रतिभागियों की संख्या No. of Participants
पछेती खरीफ पौधशाला प्रबंधन Late *kharif* nursery management	एमजीएमजी, भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	3 अगस्त, 2016, खैरेवाडी 3 August, 2016 Khairewadi	25
गोधरा (गुजरात) के किसानों के लिए प्याज एवं लहसुन की उन्नत प्रौद्योगिकी Advance onion and garlic cultivation technology for farmers of Godhra (Gujarat)	एग्री, नई दिल्ली AGRI, New Delhi	11 अगस्त, 2016 भाकृअनुप–डीओजीआर 11 August, 2016 ICAR-DOGR	50
प्याज भण्डारण प्रौद्योगिकी Onion storage technology	टीएसपी, भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	23 अगस्त, 2016 बंधारपाडा 23 August, 2016 Bandharpada	50
रबी प्याज उत्पादन प्रौद्योगिकी *Rabi* onion production technology	टीएसपी, भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	24 अगस्त, 2016 रायंगण 24 August, 2016 Raingan	70
रबी प्याज उत्पादन प्रौद्योगिकी *Rabi* onion production technology	एमजीएमजी, भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	6 सितम्बर, 2016 वरूडे 6 September, 2016 Varude	25
प्याज एवं लहसुन की वाणिज्यिक खेती Commercial cultivation of onion and garlic	टीएसपी, भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	4–6 अक्टूबर, 2016 सावरट, खैरवे एवं खांडबारा 4-6 October, 2016 Savrat, Khairve and Khandbara	250
रबी प्याज उत्पादन प्रौद्योगिकी *Rabi* onion production technology	एमजीएमजी, भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	8 नवम्बर, 2016 वाफगांव 8 November, 2016 Wafgaon	30
प्याज फसल में रोग व कीट प्रबंधन Disease and pest management in onion crop	एमजीएमजी, भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	16 नवम्बर, 2016 मिटगुडवाड़ी 16 November, 2016 Mitgudwadi	25
प्याज : कीट व रोग प्रबंधन Onion: pest and disease management	एमजीएमजी, भाकृअनुप–डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	25 नवम्बर, 2016 जवुलके 25 November, 2016 Jawulke	52
प्याज उत्पादन प्रौद्योगिकी और मृदा स्वास्थ्य Onion production technology and soil health	भाकृअनुप–डीओजीआर राजगुरूनगर, पुणे ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	5 दिसम्बर, 2016 भाकृअनुप–डीओजीआर 5 December, 2016 ICAR-DOGR	100

प्रशिक्षण का शीर्षक Topic of Training	द्वारा आयोजित Sponsored by	तारीख व स्थान Date and Venue	प्रतिभागियों की संख्या No. of Participants
प्याज एवं लहसुन में आदानों का अनुप्रयोग Application of inputs for onion and garlic	टीएसपी, भाकृअनुप डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे TSP, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	19 दिसम्बर, 2016 खांडबारा 19 December, 2016 Khandbara	25
प्याज फसल में एकीकृत कीट व रोग प्रबंधन Integrated pest and disease management in onion crop	एमजीएमजी, भाकृअनुप डीओजीआर, राजगुरूनगर, पुणे MGMG, ICAR-DOGR, Rajgurunagar, Pune	22 दिसम्बर, 2016 गुलानी 22 December, 2016 Gulani	36

भाकृअनुप–डीओजीआर में किसान प्रशिक्षण
Farmers training in ICAR-DOGR

प्रदर्शनियों में सहभाग/Participation in Exhibitions

प्रदर्शन Exhibition	आयोजक Organizer	तारीख Date	स्थान Venue
किसान दिवस पर प्रर्दशन Exhibition on farmers' day	आईएआरआई क्षेत्रीय केन्द्र, बाणेर, पुणे IARI Regional Station, Baner, Pune	15 अक्टूबर, 2016 15 October, 2016	आईएआरआई क्षेत्रीय केन्द्र, पुणे IARI-RS, Pune
खाने योग्य एलियम्स पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए प्रदर्शन Exhibition for National Symposium on Edible Alliums	इंडियन सोसायटी ऑफ एलियम्स, पुणे Indian Society of Alliums, Pune	7–9 नवम्बर, 2016 7-9 November, 2016	जालना Jalna
किसान एग्री एक्स्पो 2016 Kisan Agri Expo 2016	किसान फोरम प्रा.लि., पुणे Kisan Forum Pvt. Ltd., Pune	14 –18 दिसम्बर, 2016 14-18 December, 2016	मोशी, पुणे Moshi, Pune
महा एग्रो 2016 Maha Agro 2016	मराठवाडा शेती सहाय मंडल, औरंगाबाद Marathwada Sheti Sahay Mandal, Aurangabad	24–27 दिसम्बर, 2016 24-27 December, 2016	औरंगाबाद Aurangabad

किसान एग्री एक्स्पो में सहभाग/ Participation in Kisan Agri Expo

खेलकूद प्रतियोगिता /Sports Meet

भाकृअनुप–डीओजीआर ने खेलकूद प्रतियोगिता में पांच पदक जीते

भाकृअनुप–डीओजीआर की खेलकूद टीम ने दिनांक 24–27 दिसम्बर, 2016 के दौरान भाकृअनुप–राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर (राजस्थान) में आयोजित भाकृअनुप पश्चिम ज़ोन खेलकूद टूर्नामेंट 2016 में भाग लिया। निदेशालय की टीम ने बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज एवं एथलीटीक खेलों में भाग लिया। डॉ.पी.एस.सौम्या ने महिला बैडमिंटन एकल में स्वर्ण पदक, थाली फ़ेक में रजत पदक एवं गोला फ़ेक में कांस्य पदक जीता। डॉ.प्रांजली घोडके ने थाली फ़ेक में कांस्य पदक जीता। डॉ. सौम्या और डॉ. प्रांजली ने मिलकर महिला बैडमिंटन युगल में भी रजत पदक हासिल किया। भाकृअनुप–डीओजीआर ने खेलकूद दल को भाकृअनुप–डीओजीआर का झंडा ऊंचा रखने के लिए बधाई दी।

ICAR-DOGR wins Five medals in Sports Tournament

The sports team of ICAR-DOGR participated in ICAR West Zone Sports Tournament 2016 organized at ICAR-National Research Centre on Camel, Bikaner (Rajasthan) during 24-27 September 2016. The team took part in badminton, table tennis, carom, chess and athletic events. Dr. P. S. Soumia won gold medal in women's badminton single, silver medal in discus throw and bronze medal in short put. Dr. Pranjali Ghodke won bronze medal in discus throw. In women's badminton doubles also, Dr. Soumia and Dr. Pranjali together won silver medal. ICAR-DOGR congratulated the sports contingent for keeping ICAR-DOGR flag high.

दूरदर्शन प्रसारण एवं आकाशवाणी वार्ताएं

- डॉ. विजय महाजन ने ''कांद्याचे व्यवस्थापन आणि साठवण पर आकाशवाणी वार्ता प्रस्तुत की, जिसका प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो, पुणे से दिनांक 9 जुलाई, 2016 को किया गया।
- डॉ. ए.जे. गुप्ता ने डीडी किसान चैनल के 'हैलो किसान' कार्यक्रम में ''प्याज एवं लहसुन की खेती'' पर किसानों के साथ बातचीत की, जिसका सीधा प्रसारण नई दिल्ली से दिनांक 12 अक्टूबर, 2016 को किया गया।
- डॉ. एस.एस. गाडगे ने ''रांगडा कांद्याची लागवड'' पर आकाशवाणी वार्ता प्रस्तुत की, जिसका प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो, पुणे से दिनांक 4 अगस्त, 2016 को किया गया।
- डॉ.वनिता सालुंखे ने ''रोग नियंत्रण, शेतकरी बांधवांच्या शंका आणि प्रश्न पर किसानों के साथ बातचीत की, जिसका सीधा प्रसारण ऑल इंडिया रेडियो, पुणे से दिनांक 25 अगस्त, 2016 को किया गया।

TV Shows and Radio Talks

- Dr. Vijay Mahajan delivered a radio talk on "*Kandyache vyavasthapan ani sathvan*" broadcasted on 9 July, 2016 from All India Radio, Pune.
- Dr. A. J. Gupta interacted with farmers on "*Pyaj evam lahsun ki kheti*" in TV programme 'Hello Kisan' of DD Kisan channel telecasted live on 12 October, 2016 from New Delhi.
- Dr. S. S. Gadge delivered a radio talk on "*Rangda kandyachi lagwad*" broadcasted on 4 August, 2016 from All India Radio, Pune.
- Dr. Vanita Salunkhe interacted with farmers on *"Rog niyantran, Shetkari bandhavanchya shanka ani Prashna"* broadcasted live on 25 August, 2016 from All India Radio, Pune.

पुरस्कार

- डॉ. शिवलिंगम आनन्दन को एस. आनन्दन, अभिलाष नायर एवं विजय महाजन लिखित ''एलियम प्रजातियों के बीच आनुवंशिक विविधता का मूल्यांकन करने में एसआरपी मार्करों का उपयोग'' पर सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुति का पुरस्कार ''खाने योग्य एलियम्स: सतत उत्पादन में चुनौतियां एवं भविष्य की रणनीति'' पर जालना में 7–9 नवम्बर, 2016 के दौरान आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिया गया।
- डॉ. वनिता सालुंखे को वनिता सालुंखे, विजय महाजन एवं जय गोपाल लिखित ''वन्य प्याज में एन्थ्रोक्नोज (कोलिटोट्राईकम ग्लेओस्पोराइडस पेन्झ.) के प्रतिरोध के लिए जांच'' पर सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तुति का पुरस्कार ''खाने योग्य एलियम्स : सतत उत्पादन में चुनौतियां एवं भविष्य की रणनीति'' पर जालना में 7–9 नवम्बर, 2016 के दौरान आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में दिया गया।
- डॉ. विजय महाजन को उनके विशेष योगदान के लिए ''खाने योग्य एलियम्स : सतत उत्पादन में चुनौतियां एवं भविष्य की रणनीती '' पर जालना में 7–9 नवम्बर, 2016 के दौरान आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।
- श्री. दिलीप मुंढरीकर को भी उनके विशेष योगदान के लिए 7–9 नवम्बर, 2016 के दौरान आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया।

Awards

- Dr. Sivalingam Anandhan has been awarded for the best oral presentation on "Evaluation of genetic diversity among the *Allium* species using SRAP markers" authored by S. Anandhan, Abhilash Nair and Vijay Mahajan in 2nd National Symposium on "Edible Alliums: Challenges and future strategies for sustainable production" during 7- 9 November, 2016 at Jalna.
- Dr. Vanita Salunkhe has been awarded for the best poster on "Screening for resistance to anthracnose (*Colletotrichum gloeosporiodes* Penz.) in wild onion" authored by Vanita Salunkhe, V. Mahajan and Jai Gopal in 2nd National Symposium on "Edible Alliums: Challenges and future strategies for sustainable production" during 7- 9 November, 2016 at Jalna.
- Dr. Vijay Mahajan has been honoured by appreciation letter for special achievement in 2nd National Symposium on "Edible Alliums: Challenges and future strategies for sustainable production" during 7- 9 November, 2016 at Jalna.
- Mr. Dilip Mundharikar has also been awarded by appreciation better for special 2nd National Symposium on "Edible Alliums: Challenges and future strategies for sustainable production" during 7- 9 November, 2016 at Jalna.

कार्मिक/Personnel

- डॉ. जय गोपाल, निदेशक, भाकृअनुप– डीओजीआर दिनांक 31 अक्टूबर, 2016 को सेवानिवृत्त हुए।
  Dr. Jai Gopal, Director, ICAR-DOGR superannuated on 31October, 2016.

- डॉ.विजय महाजन, प्रधान वैज्ञानिक (बागवानी) ने दिनांक 1 नवम्बर, 2016 से निदेशक (कार्यवाहक) का पदभार ग्रहण किया।
  Dr. Vijay Mahajan, Principal Scientist (Horticulture) assumed the charge of Director (Acting) from 1 November, 2016.

- श्रीमती एन.आर.गायकवाड को दिनांक 2 सितम्बर, 2016 से वरिष्ठ लिपिक से सहायक पद पर पदोन्नत किया गया।
  Mrs. N. R. Gaikwad promoted from Upper Division Clerk to Assistant from 2 September, 2016.

नए प्रकाशन/New Publications

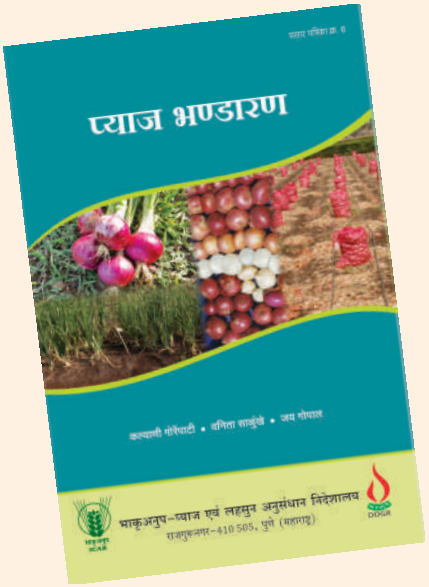

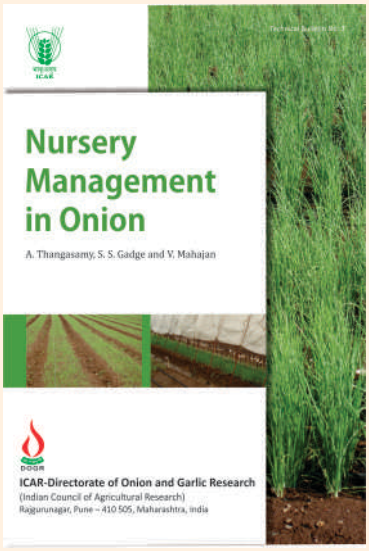

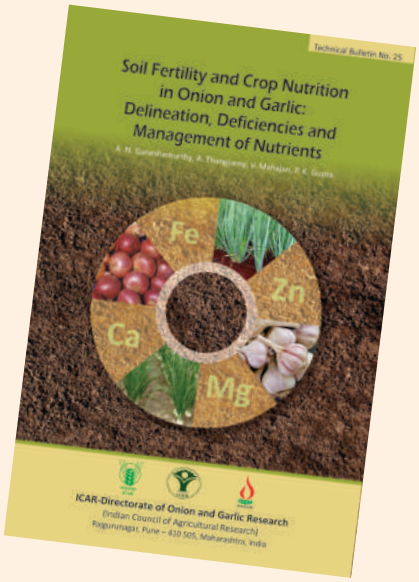

भाकृअनुप–प्याज एवं लहसुन अनुसंधान निदेशालय
राजगुरूनगर, पुणे–410 505, महाराष्ट्र, भारत
दूरभाष: 02135- 222026, 222697, फैक्स: 02135- 224056 ईमेल: director.dogr@icar.gov.in
वेब: http://www.dogr.res.in

ICAR–Directorate of Onion and Garlic Research
Rajgurunagar – 410 505, Pune, Maharashtra, India
Phone: 02135-222026, 222697 Fax: 02135-224056 E-mail: director.dogr@icar.gov.in
Website : http//www.dogr.res.in

Designed & Printed by: Anson Advertising & Marketing, Pune. Tel.: 24213244 Fax: 24210013 Email: ansonorama@gmail.com